https://farid.ps/articles/israel_the_bombing_of_the_king_david_hotel/hi.html

किंग डेविड होटल बम विस्फोट

22 जुलाई 1946 को, **किंग डेविड होटल** यरुशलम में, जो उस समय ब्रिटिश मैंडेट फिलिस्तीन का हिस्सा था, एक भयानक विस्फोट से हिल गया जिसमें **91 लोग मारे गए** और **46 घायल** हुए। यह हमला **इर्गुन** द्वारा किया गया, जो एक ज़ायोनी अर्धसैनिक समूह था, और होटल को निशाना बनाया गया क्योंकि वहाँ **ब्रिटिश प्रशासनिक मुख्यालय** — जिसमें सैन्य और खुफिया कार्यालय शामिल थे — स्थित था।

यह बम विस्फोट क्षेत्र के आधुनिक इतिहास में सबसे विनाशकारी और विवादास्पद राजनीतिक हिंसा के कृत्यों में से एक बना हुआ है। जबकि इर्गुन ने हमले को उपनिवेश-विरोधी प्रतिरोध के रूप में उचित ठहराया, **आज की अंतरराष्ट्रीय परिभाषा के अनुसार — संयुक्त राष्ट्र 1999 आतंकवाद वित्तपोषण सम्मेलन और प्रथागत मानवीय कानून के तहत — यह आतंकवाद का एक कृत्य है**, क्योंकि इसमें राजनीतिक उद्देश्यों के लिए जानबूझकर एक नागरिक-भवन को निशाना बनाया गया था।

पृष्ठभूमि: ब्रिटिश मैंडेट और बढ़ते तनाव

किंग डेविड होटल, सात मंजिला चूना-पत्थर का एक ऐतिहासिक भवन, एक विलासिता निवास और फिलिस्तीन में ब्रिटिश शासन का प्रशासनिक केंद्र दोनों था। दक्षिणी विंग, जिसे "सरकारी सचिवालय" कहा जाता था, में ब्रिटिश सेना का मुख्यालय और आपराधिक जांच विभाग (CID) के कार्यालय थे।

1940 के दशक के मध्य तक, यहूदी उग्रवादी संगठनों — **1939 के श्वेत पत्र** से निराश, जिसने यहूदी आप्रवासन और भूमि अधिग्रहण को प्रतिबंधित किया — ने ब्रिटिश नियंत्रण के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध शुरू कर दिया। होलोकॉस्ट ने यहूदियों के एक गृहस्थान सुरक्षित करने के संकल्प को और मजबूत किया, जबकि ब्रिटिश, यहूदी और अरब मांगों के बीच फंसे, सुरक्षा दमन पर अधिक निर्भर हो गए।

यहूदी भूमिगत समूहों में, **इर्गुन ज़्वाई लेउमी**, **मेनाहेम बेगिन** के नेतृत्व में, ब्रिटिश लक्ष्यों पर प्रत्यक्ष हमलों की वकालत करती थी। बेगिन ब्रिटिशों को एक उपनिवेशवादी कब्ज़ेदार मानते थे जो यहूदी राज्य निर्माण में बाधा डाल रहा था। 1945–46 में, इर्गुन **लेही (स्टर्न गैंग)** और मुख्यधारा **हगाना** के साथ **"यहूदी प्रतिरोध आंदोलन"** में शामिल हुई। फिर भी यह गठबंधन अस्थिर था, क्योंकि हगाना नेता **डेविड बेन-गुरियन** अक्सर अधिक उग्रवादी गुटों को रोकने की कोशिश करते थे।

हमला: योजना, चेतावनियाँ और निष्पादन

अब डीक्लासिफाइड अभिलेख किंग डेविड बम विस्फोट की विस्तृत पुनर्रचना की अनुमति देते हैं। योजना जुलाई 1946 के प्रारंभ में शुरू हुई। इर्गुन का उद्देश्य ब्रिटिश खुफिया फाइलों को नष्ट करना था जिनमें वे मानते थे कि **ऑपरेशन अगाथा** के दौरान जब्त की गई ज़ायोनी गतिविधियों के सबूत थे, जो एक बड़े पैमाने पर ब्रिटिश छापेमारी थी जिसमें सैकड़ों यहूदी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया था।

इर्गुन योजना और कमांड संरचना

नव-रिलीज़्ड इज़राइली और ब्रिटिश रिकॉर्ड ऑपरेशन के प्रमुख व्यक्तियों की पहचान करते हैं:

- **कमांडर:** मेनाहेम बेगिन
- **ऑपरेशन प्रमुख:** अमीचाई पग्लिन ("गिदी") – विस्फोटक उपकरण का डिज़ाइनर
- **छद्म वेश टीम:** सात ऑपरेटिव **अरबी गलाबिया** (रोब) में
- **निगरानीकर्ता:** यित्ज़ाक सादेह (हगाना संपर्क)
- **चालक:** यिस्राएल लेवी

22 जुलाई की सुबह, इर्गुन ऑपरेटिवों ने **350 किलोग्राम जेलाटिनाइट**, दूध के डिब्बों में छिपाकर, **ला रेजेंस कैफे** के नीचे होटल के तहखाने में तस्करी की। फोरेंसिक विश्लेषण ने बाद में जेलाटिनाइट को **हाइफा में ब्रिटिश ऑर्डनेंस डिपो** से चुराए गए विस्फोटकों से मिलाया (CID फाइल RG 41/G-3124)।

चेतावनियाँ: मिनट-दर-मिनट ब्रेकडाउन

MI5 फाइल KV 5/34 और समकालीन गवाहियों से प्राथमिक साक्ष्य **तीन चेतावनी कॉल** की पुष्टि करते हैं:

समय	कार्रवाई	स्रोत
11:55 पूर्वाह्न	**पलेस्टाइन पोस्ट** को कॉल: “यहूदी लड़ाके आपको किंग डेविड होटल खाली करने की चेतावनी देते हैं।”	**पलेस्टाइन पोस्ट** लॉगबुक
11:58 पूर्वाह्न	पड़ोसी फ्रेंच वाणिज्य दूतावास को कॉल: “होटल में बम – तुरंत निकलें।”	फ्रेंच राजनयिक केबल, 23 जुलाई 1946
12:01 अपराह्न	होटल ऑपरेटर को कॉल: “यह हिब्रू अंडरग्राउंड है। तहखाने में दूध के डिब्बे आधे घंटे में फटेंगे।”	MI5 इंटरसेप्ट्स, ff. 112–118

हालांकि, **होटल स्विचबोर्ड ऑपरेटर**, जो धोखे की कॉलों की आदी थी, ने चेतावनी को “एक और यहूदी मज़ाक” मानकर खारिज कर दिया। **चीफ सेक्रेटरी सर जॉन शॉ**, जब सूचित किया गया, कथित तौर पर बोले, “इस सप्ताह हमें ऐसे बीस कॉल आए हैं।” ब्रिटिश सैन्य तहखाने की तलाशी 12:15 पर केवल सार्वजनिक क्षेत्रों की जाँच की, **ला रेजेंस** के नीचे सेवा गलियारा छूट गया।

12:37 अपराह्न पर, विस्फोट ने दक्षिणी विंग को नष्ट कर दिया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि वह **हिब्रू यूनिवर्सिटी सिस्मोग्राफ** पर दर्ज हुआ, रिकॉर्ड, कार्यालय और जीवन नष्ट कर दिए।

मानवीय क्षति

91 पीड़ित कई राष्ट्रीयताओं और समुदायों से थे:

नाम	राष्ट्रीयता	भूमिका
जूलियस जैकब्स	ब्रिटिश	सहायक सचिव (मारा गया)
अहमद अबू-ज़ैद	अरब	हेड वेटर, **ला रेजेंस**
हाइम शापिरो	यहूदी	**पलेस्टाइन पोस्ट** रिपोर्टर
यित्ज़ाक एलियाशर	सेफारदी यहूदी	होटल लेखाकार
काउंटेस बर्नाडोट	स्वीडिश	रेड क्रॉस प्रतिनिधि (घायल)

अट्ठाईस ब्रिटिश, इकतालीस अरब, सत्रह यहूदी और पाँच अन्य राष्ट्रीयताएँ। **पलेस्टाइन गजट (1 अगस्त 1946)** ने सभी नाम सूचीबद्ध किए, हमले की अंधाधुंध प्रकृति को रेखांकित करते हुए। पीड़ितों में क्लर्क, पत्रकार, सैनिक और नागरिक शामिल थे — कई राजनीतिक संघर्ष में सीधे शामिल नहीं थे।

तत्काल परिणाम: अराजकता, निंदा और दमन

ब्रिटिश प्रतिक्रिया त्वरित और कठोर थी:

- **23 जुलाई:** यरुशलम में कर्फ्यू; 17,000 सैनिक तैनात।
- **26 जुलाई: ऑपरेशन अगाथा** के दूसरे चरण में सामूहिक गिरफ्तारियाँ।
- **31 जुलाई:** जनरल बार्कर ने ब्रिटिश सैनिकों को यहूदी व्यवसायों में प्रवेश करने से प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया — बाद में नस्लवादी के रूप में निंदा की गई।

- **अगस्त 1946:** बेगिन की गिरफ्तारी के लिए £25,000 इनाम की पेशकश।

लंदन में, **प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली** ने अपने कैबिनेट से कहा, "फिलिस्तीन रखने की लागत अब मैंडेट के मूल्य से अधिक है" (CAB 128/6)। यह सीधा स्वीकारोक्ति थी कि बम विस्फोट ने ब्रिटेन के फिलिस्तीन प्रश्न को संयुक्त राष्ट्र को सौंपने के निर्णय को प्रभावित किया — विभाजन की ओर एक निर्णायक कदम।

आंतरिक यहूदी प्रतिक्रियाएँ और "चेतावनियाँ" बहस

एक जब्त **हगाना मेमो** (CZA S25/9021) ने खुलासा किया कि **डेविड बेन-गुरियन** ने **दो दिन पहले ऑपरेशन रद्द करने की कोशिश की**, चेतावनी देते हुए "बहुत सारे नागरिक" मौजूद होंगे। हालांकि, हगाना संपर्क **मोशे स्नेह** ने जवाब दिया कि योजना "अपरिवर्तनीय" है।

इर्गुन ने दावा किया कि चेतावनियाँ जीवन हानि से बचने की उनकी मंशा साबित करती हैं। लेकिन किसी भी उचित सैन्य या नैतिक मानक से — विशेष रूप से **आज के अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून** के तहत, जो असमानुपातिक नागरिक हानि की संभावना वाले हमलों को प्रतिबंधित करता है — ऐसी ऑपरेशन **आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत** होगी। मंशाओं से अलग, गैर-लड़ाकों से भरे नागरिक भवन को बम लक्ष्य के रूप में उपयोग आधुनिक सशस्त्र संघर्ष के मानकों से मेल नहीं खाता।

वैश्विक और स्थानीय प्रतिक्रियाएँ

अरबी अखबारों ने पूरे फिलिस्तीन में बम विस्फोट को "यहूदी आतंक" के रूप में निंदा की।

- **फिलास्तीन**: "यहूदी आतंक ब्रिटिश अड्डे में 41 अरबों को मारता है"
- **अल-दिफा**: "मौत का होटल"
- **अल-इत्तिहाद**: "ज़ायोनी बम – हमें निर्वासित करने की पहली कड़ी"

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर:

- **न्यूयॉर्क टाइम्स** ने इसे "एक कृत्य जो यहूदी कारण को नुकसान पहुँचाता है" कहा, अमेरिका में ज़ायोनी फंडरेजिंग में 30% की गिरावट का उल्लेख।
- वेटिकन के **ल'ओसर्वातोर रोमानो** ने "बर्बर तरीकों" की निंदा की।
- **सोवियत प्रेस**, शुरू में चुप, बाद में इसे "एंटी-इम्पीरियलिस्ट प्रतिरोध" के रूप में चित्रित किया।
- **जवाहरलाल नेहरू** ने टिप्पणी की कि "ब्रिटिश जो बोते हैं वही काटते हैं", फिलिस्तीन की उथल-पुथल को भारत में उपनिवेशीय अशांति से जोड़ते हुए।

मुकदमे और दीर्घकालिक परिणाम

ब्रिटिश अधिकारियों ने 1947 की शुरुआत में **यरुशलम सैन्य अदालतों** में कई इर्गुन संदिग्धों का मुकदमा चलाया। छह को मौत की सजा मिली, जो सार्वजनिक दबाव के बाद आजीवन कारावास में बदल दी गई। अन्य **मई 1947 के एकर जेल ब्रेक** में भाग गए। मेनाहेम बेगिन खुद गिरफ्तारी से बच निकले, 1948 में इज़राइल की स्वतंत्रता के बाद क्षमादान प्राप्त किया।

राजनीतिक रूप से, बम विस्फोट ने ब्रिटिश वापसी को तेज किया। 1947 के मध्य तक, सरकार ने स्वीकार किया कि वह फिलिस्तीन को प्रभावी ढंग से शासन नहीं कर सकती। संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना का पालन हुआ, और दो वर्षों में, नवीनीकृत युद्ध के बीच इज़राइल का जन्म हुआ।

स्मृति, संशोधनवाद और निरंतर विवाद

1948 से, बम विस्फोट का विरासत विभाजनकारी बना हुआ है:

- **1966:** इर्गुन वेटरन्स ने होटल में एक प्लाक लगाई जो उनकी चेतावनियों को श्रेय देती थी और ब्रिटिश निष्क्रियता को दोषी ठहराती थी।
- **2006:** ब्रिटिश राजनयिकों ने नई प्लाक समारोह का बहिष्कार किया; फिलिस्तीनियों ने इसे "आतंक का महिमामंडन" कहा।
- **2016:** इज़राइली स्कूल पाठ्यक्रम ने इसे "एक सर्जिकल स्ट्राइक जो स्वतंत्रता को तेज करती थी" के रूप में चित्रित किया।
- **2021:** फिलिस्तीनी एनजीओ **ज़ोखरोट** ने एक डिजिटल स्मारक लॉन्च किया जिसमें सभी 91 पीड़ितों, जिसमें अरबी स्टाफ शामिल, को सूचीबद्ध किया गया।

नैतिक और कानूनी मूल्यांकन: आज के मानकों से आतंकवाद

जबकि इज़राइल में कुछ हमले को उपनिवेश-विरोधी प्रतिरोध का एक हताश कृत्य मानते रहते हैं, आधुनिक परिभाषाएँ कम अस्पष्टता छोड़ती हैं। **संयुक्त राष्ट्र महासभा 2004 की आतंकवाद की कार्य परिभाषा** के तहत — नागरिकों के खिलाफ हिंसा का जानबूझकर उपयोग सरकार की नीति को प्रभावित करने के लिए — **किंग डेविड होटल बम विस्फोट आतंकवाद के रूप में योग्य है**।

चेतावनियाँ जारी होने के बावजूद, इर्गुन ने जानबूझकर उच्च-विस्फोटक एक कार्यशील नागरिक भवन में रखे, जो बाद में **जिनेवा कन्वेंशंस** और **रोम स्टैच्यूट ऑफ द इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट** में कोडिफाइड सिद्धांतों का उल्लंघन है। हमले का उद्देश्य — डर से ब्रिटिश वापसी को बाध्य करना — समकालीन कानून के तहत आतंकवादी कृत्य के हर मानदंड को पूरा करता है।

विरासत और चिंतन

आज, किंग डेविड होटल पुनर्निर्मित खड़ा है, उसके घाव आंशिक रूप से छिपे लेकिन कभी मिटाए नहीं। आगंतुक अभी भी इर्गुन द्वारा स्थापित प्लाक पढ़ सकते हैं — और पास में, मृतकों को सम्मान देने वाला शांत स्मारक।

बम विस्फोट के सबक दर्दनाक रूप से प्रासंगिक बने हुए हैं:

- **चेतावनियाँ नैतिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करतीं।**
- **राष्ट्रीय मुक्ति संघर्ष नागरिकों को निशाना बनाने पर नैतिक पतन का जोखिम उठाते हैं।**
- **उपनिवेशीय संदर्भ हिंसा पैदा करते हैं जो स्वतंत्रता सेनानी और आतंकवादी के बीच की रेखाओं को धुंधला करती है।**

पीछे मुड़कर देखें तो, किंग डेविड होटल बम विस्फोट केवल एक "सैन्य ऑपरेशन" नहीं बल्कि **गलत अनुमान और मानवीय लागत की त्रासदी** था। इसने ब्रिटिश वापसी को तेज किया लेकिन प्रतिशोधी हिंसा के चक्र को भी गहरा किया जो आज भी इज़राइली-फिलिस्तीनी संघर्ष को आकार देता है।

समकालीन मानकों से, यह **एक आतंकवादी कृत्य** के रूप में खड़ा है — एक कठोर याद कि न्याय या राष्ट्र-निर्माण की खोज कभी निर्दोष जीवन की कीमत पर नहीं आनी चाहिए।

संदर्भ

1. ग्रेट ब्रिटेन। कैबिनेट ऑफिस। **Cabinet Conclusions, 25 July 1946**। CAB 128/6। द नेशनल आर्काइव्स, क्यू।
2. ग्रेट ब्रिटेन। MI5। **Irgun Zvai Leumi: Intercepted Communications and Warning Calls, July 1946**। KV 5/34, ff. 112–118। द नेशनल आर्काइव्स, क्यू, 2006।
3. इज़राइल। क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (CID)। **Forensic Report on King David Hotel Explosives, 22 July 1946**। RG 41/G-3124। इज़राइल स्टेट आर्काइव्स, यरुशलम।

4. इज़राइल। हगाना आर्काइव्स। **Internal Memo: Ben-Gurion to Moshe Sneh, 20 July 1946**। S25/9021। सेंट्रल ज़ायोनिस्ट आर्काइव्स, यरुशलम।
5. मैंडेट फिलिस्तीन। **The Palestine Gazette**, नंबर 1515 (1 अगस्त 1946)। गवर्नमेंट प्रिंटर, यरुशलम।
6. संयुक्त राष्ट्र। **Convention for the Suppression of the Financing of Terrorism**। महासभा संकल्प A/RES/54/109, 9 दिसंबर 1999।
7. संयुक्त राष्ट्र। **Measures to Eliminate International Terrorism: Working Group Report**। A/59/894, 2004।
8. **Al-Difa‘** (जफ़ा)। “मौत का होटल।” 23 जुलाई 1946।
9. **Al-Ittihad** (हाइफा)। “ज़ायोनी बम – हमें निर्वासित करने की पहली कड़ी।” 23 जुलाई 1946।
10. **Filastin** (जफ़ा)। “यहूदी आतंक ब्रिटिश अड्डे में 41 अरबों को मारता है।” 23 जुलाई 1946।
11. **L’Osservatore Romano** (वेटिकन सिटी)। “फिलिस्तीन में बर्बर तरीके।” 24 जुलाई 1946।
12. **The New York Times.** “यरुशलम में आतंकवादी विस्फोट।” 23 जुलाई 1946।
13. संपादकीय: “एक कृत्य जो यहूदी कारण को नुकसान पहुँचाता है।” 24 जुलाई 1946।
14. **The Palestine Post** (यरुशलम)। “होटल चेतावनी लॉग, 22 जुलाई 1946।” आंतरिक स्विचबोर्ड रिकॉर्ड। इज़राइल स्टेट आर्काइव्स।
15. बेगिन, मेनाहेम। **The Revolt.** सैमुअल काट्ज द्वारा अनुवादित। लंदन: डब्ल्यू. एच. एलन, 1951।
16. क्लार्क, थर्स्टन। **By Blood and Fire: The Story of the King David Hotel Bombing.** न्यूयॉर्क: पुटनम, 1981।
17. खालिदी, रशीद। **The Iron Cage: The Story of the Palestinian Struggle for Statehood.** बोस्टन: बीकन प्रेस, 2006।
18. मॉरिस, बेनी। **1948: A History of the First Arab-Israeli War.** न्यू हेवन: येल यूनिवर्सिटी प्रेस, 2008।
19. सेगेव, टॉम। **One Palestine, Complete: Jews and Arabs under the British Mandate.** हाइम वाट्ज़मैन द्वारा अनुवादित। न्यूयॉर्क: मेट्रोपॉलिटन बुक्स, 2000।
20. डैन होटल्स आर्काइव। **King David Hotel Reconstruction Photographs, 1946–1948.** 15 अक्टूबर 2025 को एक्सेस किया गया।
21. ज़ोखरोट। **King David Hotel Victims Memorial.** GPS निर्देशांक के साथ डिजिटल डेटाबेस। 15 अक्टूबर 2025 को एक्सेस किया गया।
22. इम्पीरियल वॉर म्यूज़ियम। **Photograph HU 73132: King David Hotel Ruins, 23 July 1946.** लंदन।
23. लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस। मैटसन फोटोग्राफ कलेक्शन। **King David Hotel, Pre-1946 Façade.** वाशिंगटन, डीसी।